भारत - माल्टा संबंध

पृष्ठभूमि

भारत 1964 में माल्टा की आजादी को मान्यता देने वाले पहले देशों में से एक था तथा इसने 1965 में इसके साथ राजनयिक संबंध स्थपित किए। हालांकि माल्टा एक छोटा देश है, जिसकी आबादी 4.15 लाख है तथा इस द्वीप को 1 मई, 2004 को यूरोपीय संघ के सदस्य के रूप में शामिल किया गया, इसने अपनी वैश्विक प्रोफाइल में परिवर्तन किया है। यूरोपीय संघ की नीतियों के अनुरूप अपनी नीतियों का निर्माण करने के उद्देश्य से माल्टा ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन और जी-77 की सदस्यता छोड़ दी है। तथापि, माल्टा ने राष्ट्रमंडल को काफी महत्व देना जारी रखा है तथा इसने नवंबर, 2005 में तथा पुन: 2015 में चोगम शिखर बैठक की मेजबानी की। माल्टा भूमध्य सागर के आसपास के क्षेत्र को भी काफी महत्व देता है तथा 5+5 वार्ता का सदस्य है।

राजनयिक उपस्थिति

लीबिया के साथ समवर्ती रूप से माल्टा की भी जिम्मेदारी सौंपी गई है, हालांकि 1993 में माल्टा में भारत का सहायक उच्चायोग खोला गया। तथापि, आर्थिक दृष्टि से सरकार द्वारा 2002 में इस पोस्ट को बंद कर दिया गया। भारत ने माल्टा में एक मानद कांसुल भी नियुक्त किया है। माल्टा ने दिल्ली में जुलाई, 2007 में अपना उच्चायोग खोला तथा एक रेजीडेंट उच्चायुक्त नियुक्त किया है। मुंबई एवं चेन्नई में भी इसके मानद कांसुल हैं।

द्विपक्षीय

भारत - माल्टा द्विपक्षीय संबंध दोनों देशों के बीच उच्च स्तर पर यात्राओं के कारण मैत्रीपूर्ण रहे हैं। माल्टा की ओर से प्रधानमंत्री डा. एडवर्ड फेनिस एडमी ने 1989 में भारत दौरा किया था। माल्टा के राष्ट्रपति डा. चेंसु टबोने ने जनवरी, 1992 में भारत का दौरा किया। भारत की ओर से राष्ट्रपति आर वेंकटरमन ने 1990 में माल्टा का दौरा किया था।

माल्टा के विदेश मंत्री डा. माइकल फ्रेंडो ने मार्च, 2005 में भारत का दौरा किया। विदेश मंत्री के साथ अपनी बैठक में दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की। भारत एवं माल्टा के बीच विदेश कार्यालय परामर्श के लिए एक प्रोटोकाल पर भी हस्ताक्षर किए गए। माल्टा के विदेश मंत्री ने वाणिज्य मंत्री से भी मुलाकात की। भारत के पूर्व वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री

कमल नाथ ने नवंबर, 2005 में चोगम के लिए भारतीय शिष्टमंडल के प्रमुख के रूप में माल्टा का दौरा किया।

लखनऊ में न्यायाधीशों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए माल्टा के मुख्य न्यायाधीश श्री विंसेंट ए डी गेटानो ने दिसंबर, 2006 के मध्य में भारत का दौरा किया। उन्होंने भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश से एक दर एक बैठक की।

राष्ट्रमंडल संचालन समिति (डिजिटल अंतराल को पाटने के लिए गठित समिति) के अध्यक्ष के रूप में माल्टा के विदेश मंत्री ने नई दिल्ली 23-24 मार्च, 2007 को आयोजित राष्ट्रमंडल कनेक्ट-2007 - ई-साझेदारी शिखर बैठक में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया।

माल्टा के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री डा. टोनियो बोर्ग ने 6 से 11 जनवरी, 2010 के दौरान भारत का दौरा किया। उन्होंने विदेश मंत्री तथा विदेश राज्य मंत्री (पीके) से मुलाकात की तथा उच्चतम न्यायालय बार एसोसिएशन में व्याख्यान भी दिया। इस दौरान उन्होंने नई दिल्ली माल्टा के उच्चायोग का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया (यह 2007 में स्थापित किया गया था) और चेन्नई में माल्टा के मानद कांसुलेट का भी उद्घाटन किया गया।

भारत और माल्टा के बीच पोत परिवहन के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए सचिव (पोत परिवहन) के नेतृत्व में एक दो सदस्यीय भारतीय पोत परिवहन शिष्टमंडल ने माल्टा का दौरा किया। इस शिष्टमंडल ने जुलाई, 2010 में पोत परिवहन की विभिन्न सुविधाओं का दौरा किया जिसमें माल्टा परिवहन केंद्र भी शामिल है। राजनयिक अकादमियों तथा अंतर्राष्ट्रीय संबंध संस्थानों के निदेशकों एवं संकाय अध्यक्षकों की 38वीं वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए विदेश सेवा संस्थान के संकाय अध्यक्ष ने सितंबर, 2010 में माल्टा का दौरा किया।

एक भारतीय सी बी डी टी शिष्टमंडल ने फ्लोरिना में 14 से 19 अक्टूबर के दौरान आयोजित 33वें राष्ट्रमंडल कर प्रशासन संघ (सी ए टी ए) तकनीकी सम्मेलन में भाग लिया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि श्री हरदीप पुरी ने वालेट्टा में आयोजित यू एन बैठक में भाग लिया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि श्री हरदीप पुरी ने वलेटा में संयुक्त राष्ट्र बैठक में भाग लिया, विदेश राज्य मंत्री (पीके) ने 7 से 10 अप्रैल, 2013 के दौरान माल्टा का चार दिवसीय आधिकारिक दौरा किया। इस यात्रा के दौरान, दोनों देशों के बीच दोहरा कराधान परिहार करार पर हस्ताक्षर किया गया।

माल्टा में हाइड्रो कार्बन की संभावना का पता लगाने के लिए अगस्त, 2013 में ओ एन जी सी विदेश लिमिटेड के दो सदस्यीय शिष्टमंडल ने माल्टा का दौरा किया। इसके बाद दो सदस्यीय तकनीकी शिष्टमंडल ने माल्टा का दौरा किया।

सहयोगात्मक आदान - प्रदान के माध्यम से आपसी हित एवं सहयोग के क्षेत्रों का पला लगाने के लिए सितंबर, 2013 में, भारत के विभिन्न राज्यों से 11 स्कूलों के प्रधानाचार्यों के एक शिष्टमंडल ने माल्टा का दौरा किया तथा माल्टा के शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों तथा माल्टा विश्वविद्यालय के वरिष्ठ आधिकारियों से मुलाकात की।

31 अक्टूबर, 2013 को भारत और माल्टा के बीच महानिदेश के स्तर पर नई दिल्ली में विदेश कार्यालय परामर्श का आयोजन किया गया। इसके अलावा, माल्टा के विदेश मंत्री महामहिम डा. जार्ज वेला ने असेम बैठक में भाग लेने के लिए नवंबर, 2013 में भारत का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान, राजनयिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा से छूट के लिए एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया गया।

17 से 21 मार्च, 2014 के दौरान, पारदर्शिता एवं कर के प्रयोजनों के लिए सूचना के आदान - प्रदान पर आयोजित वैश्विक मंच की समकक्ष समीक्षा समूह की बैठक में भाग लेने के लिए वित्त मंत्रालय में संयुक्त सचिव श्री रजत बंसल के नेतृत्व में एक दो सदस्यीय शिष्टमंडल ने माल्टा का दौरा किया।

भारत के नियंत्रण एवं महालेखा परीक्षक श्री शशिकांत शर्मा के नेतृत्व में एक दो सदस्यीय शिष्टमंडल ने 24 से 27 मार्च, 2014 के दौरान राष्ट्रमंडल महालेखा परीक्षक बैठक के 22वें सम्मेलन में भाग लेने के लिए माल्टा का दौरा किया।

विनिमय कार्यक्रम के तहत बंगलौर, दिल्ली और जम्मू के स्कूलों से एक 37 सदस्यीय छात्र - संकाय शिष्टमंडल ने एक सप्ताह के प्रबोधन कार्यक्रम के लिए 24 अप्रैल, 2014 को माल्टा का दौरा किया।

फरवरी 2015 में (05-07) में संपोषणीय विकास, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री लियो ब्रिनकट ने नई दिल्ली में आयोजित दिल्ली संपोषणीय विकास शिखर सम्मेलन 2015

में भाग लेने के लिए भारत का दौरा किया और सम्मेलन को संबोधित किया। शिखर सम्मेलन टेरी द्वारा आयोजित किया गया था।

माननीय सांसद श्री गॉडफ्रे फरूगिया ने अपनी पत्नी सुश्री मार्लिन फरूगिया के साथ 07 से 11 अप्रैल, 2015 के दौरान आयोजित राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सी पी ए) संसद और मीडिया कानून सम्मेलन के लिए विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश का दौरा किया।

पुलिस अधीक्षक (टी एफ एफ एस) - राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एन आई ए) गृह मंत्रालय श्री अनुराग कुमार के साथ संयुक्त सचिव (सी टी-जी सी आई और पी पी एंड आर) श्री थांगलुरा डारलोंग ने आपराधिक, न्याय और कानून का शासन (सीजे - आर ओ एल) बैठक में भाग लेने के लिए 13-14 अप्रैल, 2015 को माल्टा दौरा किया।

5वीं वेस्टमिंस्टर कार्यशाला में भाग लेने के लिए संसद सदस्य (लोक सभा) श्री शिवकुमार चनाबासप्पा उदासी और लोक सभा सचिवालय में अपर सचिव श्री देवेन्द्र सिंह के साथ लोक लेखा समिति के अध्यक्ष प्रो के वी थॉमस ने माल्टा दौरा किया : 1 से 5 जून 2015 तक मजबूत लोक वित्तीय निगरानी के लिए कारगर, स्वत्रंत एवं पारदर्शी लोक लेखा समितियां।

माल्टा में 23 से 25 नवंबर 2015 के दौरान आयोजित सी एफ एन एच आर आई द्विवार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए संयुक्त निदेशक (अनुसंधान) डा. सविता भाखरी के साथ न्यायमूर्ति श्री सीरियाक जोसफ, कार्यकारी अध्यक्ष, भारतीय मानवाधिकार आयोग (आई एच आर सी) ने माल्टा का दौरा किया।

माननीय विदेश मंत्री ने शिष्टमंडल प्रमुख के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया। विदेश राज्य मंत्री (वी के) ने 24 से 29 नवंबर, 2015 के दौरान माल्टा में आयोजित चोगम शिखर बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। विदेश राज्य मंत्री (वी के) ने 25 और 26 नवंबर, 2015 को विदेश मंत्री सेगमेंट में तथा विदेश मंत्री ने 26 से 29 नवंबर, 2015 के दौरान शिष्टमंडल प्रमुख के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया। माल्टा द्वारा आयोजित पिछला चोगम 2005 में था।

संसदीय यात्राओं का आदान - प्रदान

विदेश एवं यूरोपीय मामलों पर गठित स्थाई समिति के अध्यक्ष माननीय जैसन अजोपार्डी के नेतृत्व में एक पांच सदस्यीय सद्भावना संसदीय शिष्टमंडल ने भारत के विदेश मंत्रालय के

निमंत्रण पर 12 से 17 मार्च, 2007 के दौरान भारत का दौरा किया। इस शिष्टमंडल ने संसदीय कार्यमंत्री, लोक सभा के डिप्टी स्पीकर, विदेश राज्य मंत्री तथा सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री से मुलाकात की। इसने विदेश मामले एवं सूचना प्रौद्योगिकी पर हमारी समितियों के अध्यक्षों के साथ भी बैठकें की। माल्टा की संसद के स्पीकर श्री लुई गलेया ने 4 से 8 जनवरी, 2010 के दौरान राष्ट्रमंडल स्पीकर बैठक के लिए भारत का दौरा किया।

भारतीय सर्वेक्षण पोत आई एन एस दर्शक का दौरा

भारतीय सर्वेक्षण पोत आई एन एस दर्शक ने माल्टा का 3दिवसीय सद्भावना दौरा किया। यह पोत कैप्टन सुलसी श्रीधर कार्निक के कमांड में था। यह 86 मीटर लंबा था तथा इसमें 200 अधिकारी तथा क्रू के सदस्य थे। इस पोत को आम जनता के लिए 28 अप्रैल को खोला गया।

भारतीय नौसेना पोत तरंगिणी की यात्रा

आईएनएस तरंगिणी ने 26 फरवरी से 1 मार्च, 2007 के दौरान अन्य देशों के अलावा मल्टा का दौरा किया। इस यात्रा को मीडिया में प्रमुखता से कवर किया गया तथा यह काफी सफल रहा। ऑन बोर्ड रिसेप्शन में अन्यों के अलावा माल्टा के विदेश मंत्री तथा माल्टा में भारतीय समुदाय के सदस्यों ने भी भाग लिया। 2015 में, आई एन एस तरंगिणी ने 20 से 22 जून तक और फिर 6 अक्टूबर को माल्टा का दौरा किया।

सांस्कृतिक संबंध :

भारत और माल्टा के बीच सांस्कृतिक संबंध बहुत पुराने हैं। दोनों देशों के बीच एक सांस्कृतिक सहयोग करार पर 1992 में हस्ताक्षर किया गया। शास्त्रीय नर्तकी (कुचिपुड़ी) सुश्री वैजयंती काशी और वायलिन वादक सुश्री अनुप्रिया देवतले से युक्त एक सांस्कृतिक मंडली ने जुलाई, 2008 में माल्टा का दौरा किया। "भारत के दिन" का आयोजन 2 से 6 अक्टूबर, 2013 के दौरान किया गया जिसके तहत एक 10 सदस्यीय भारतीय लोक नृत्य मंडली द्वारा परफार्मेंस, फिल्म एवं खाद्य महोत्सव तथा गांधी जी पर एक प्रदर्शनी शामिल थी। माल्टा की संसद के स्पीकर डा. अंगलू फारूगिया ने महात्मा गांधी जी के जयंती समारोह का उद्घाटन किया। इसके अलावा, गाला डिनर एवं नृत्य परफार्मेंस में विभिन्न अन्य गणमान्य व्यक्तियों के अलावा, विदेश, व्यापार एवं वित्त मंत्रियों ने भी भाग लिया। जून, 2014 में, माल्टा में एक भारतीय फिल्म महोत्सव का आयोजन किया गया।

22 जून को भारतीय पर्यटन कार्यालय, मिलान के सहयोग से अतुल्य भारत पर्यटन रोड शो, मेक इन इंडिया प्रस्तुति तथा बालीवुड नृत्य पर एक सांस्कृतिक प्रस्तुति का भी आयोजन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

21 जून 2015 को भारतीय उच्चायोग ने माल्टा में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जिसमें माल्टा के नागरिकों ने भाग लिया। इसे भारतीय पर्यटन कार्यालय, मिलान, इटली, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आई सी सी आर), नई दिल्ली और ग्रैंड होटल एक्सेलसोर, माल्टा के साथ मिलकर मनाया गया। अतिथि भारतीय नौसेना पोत आई एन एस तरंगिनी पर वेलेटा बंदरगाह में योग का एक अन्य सत्र आयोजित किया गया जिसमें माल्टा के योग विशेषज्ञों तथा पोत के क्रू ने भाग लिया।

22 जून को भारतीय पर्यटन कार्यालय, मिलान के सहयोग से अतुल्य भारत पर्यटन रोड शो, मेक इन इंडिया प्रस्तुति तथा मशहूर बालीवुड नृत्य पर एक सांस्कृतिक प्रस्तुति का भी आयोजन किया गया।

राष्ट्रमंडल खेल

माल्टा राष्ट्रमंडल का सदस्य है। 19वें राष्ट्रमंडल खेल के सिलसिले में राष्ट्रमंडल के 70 देशों एवं भू-भागों से गुजरते हुए क्वींस बेटन रिले (क्यू बी आर) 4 से 8 दिसंबर, 2009 के दौरान माल्टा से गुजरी थी। बैटन को माल्टा के विभिन्न स्कूलों में ले जाया गया तथा इस कार्यक्रम के लिए बड़े पैमाने पर प्रचार की व्यवस्था की गई थी। माल्टा ने दिल्ली में 3 से 14 अक्टूबर के दौरान आयोजित राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लिया।

द्विपक्षीय करार

1992 में माल्टा के राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान, दो करारों पर हस्ताक्षर किए गए थे - एक, सांस्कृतिक सहयोग पर और दूसरा आर्थिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी सहयोग पर। 1992 में विद्युत क्षेत्र पर एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया गया तथा इस एम ओ यू के तहत लीबिया में भेल के प्रतिनिधि ने नवंबर, 2009 में माल्टा का दौरा किया तथा माल्टा में संसाधन मंत्रालय को सौर ऊर्जा की परियोजनाओं तथा लघु थर्मल प्लांटों पर प्रस्तुति दी।

अप्रैल, 2013 में विदेश राज्य मंत्री श्रीमती प्रनीत कौर की माल्टा यात्रा के दौरान, दोहरा कराधान परिहार करार पर हस्ताक्षर किया गया। असेम 2013 में भाग लेने के लिए माल्टा के विदेश मंत्री महामहिम डा. जार्ज वेला की नई दिल्ली यात्रा के दौरान नवंबर, 2013 में राजनयिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा की आवश्यकता से छूट के लिए एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया गया। भारतीय उद्योग परिसंघ और माल्टा चैंबर ऑफ कॉमर्स के बीच सहयोग पर एम ओ यू 3 साल की अवधि के लिए 8 अप्रैल 2014 को लागू हो गया।

द्विपक्षीय व्यापार :

भारत और माल्टा के बीच द्विपक्षीय व्यापार में 75.93 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि हुई है तथा यह 2013 - 14 में 202 मिलियन अमरीकी डालर से बढ़कर 2014 - 15 में 356 मिलियन अमरीकी डालर हो गया है। भारत द्वारा माल्टा को 327.59 मिलियन अमरीकी डालर मूल्य का निर्यात किया गया जबकि माल्टा से आयात का मूल्य 28.42 मिलियन अमरीकी डालर के आसपास था। भारत की ओर से माल्टा को जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से समुद्री उत्पाद, औषधियां, भेषज पदार्थ एवं बारीक रसायन, जैविक / अजैविक / कार्गो रसायन, मेटल, परिवहन उपकरण तथा अन्य वस्तुएं शामिल हैं। भारत की ओर से माल्टा को जिन वस्तुओं का आयात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से पल्प एवं वेस्ट पेपर, मेटल स्क्रैप, जैविक रसायन, औषधीय एवं भेषज उत्पाद तथा इलेक्ट्रानिक माल शामिल हैं।

कारोबार के अवसरों का पता लगाने तथा माल्टा में निवेश आकर्षित करने के लिए माल्टा से एक उच्च स्तरीय कारोबारी शिष्टमंडल ने नवंबर, 2009 के उत्तरार्ध में भारत का दौरा किया। इस शिष्टमंडल ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सी आई आई) द्वारा आयोजित कारोबारी बैठकों / सेमिनार में भाग लिया। अतिथि शिष्टमंडल का फोकस पर्यटन, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, समुद्री, वित्तीय सेवा एवं फिल्म निर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर था। माल्टा चेंबर्स आफ कॉमर्स तथा सी आई आई ने सहयोग के लिए दो एम ओ यू पर भी हस्ताक्षर किए। भारतीय फार्मास्यूटिकल कंपनी - अरविंदो फार्मा जिसने माल्टा में 2008 में, अपनी पहली यूरोपीय जी एम पी प्रमाणित सुविधा स्थापित की, ने अक्टूबर, 2010 में माल्टा के बाजार में अपने उत्पादों को लांच किया तथा तब से अपने प्रचालनों एवं अधिग्रहण का और विस्तार किया है। हाइड्रो कार्बन के क्षेत्र में अवसरों का पता लगाने के लिए ओ वी एल द्वारा एक टीम भेजी गई।

अप्रैल, 2014 में, सी आई आई के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय सी ई ओ शिष्टमंडल ने कारोबार के अवसरों का पता लगाने के लिए माल्टा इंटरप्राइज के निमंत्रण पर माल्टा का दौरा

किया। अधिकांश भारतीय कारोबारी व्यवहार्य वाणिज्यिक संपर्क स्थापित करने में समर्थ हुए। माल्टा इंटरप्राइज एवं सी आई आई द्वारा सहयोग के लिए एक एम ओ यू पर भी हस्ताक्षर किया गया।

परस्पर रूचि के क्षेत्र :

माल्टा 6 विशिष्ट क्षेत्रों पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है तथा 2015 तक प्राप्त करने के लिए लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। माल्टा के प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया है कि भारत इन अभिचिन्हित क्षेत्रों में विकास में माल्टा का साथी बन सकता है।

- वित्तीय सेवाएं : वित्तीय सेवा क्षेत्र में माल्टा की स्थिति की मजबूत है तथा यूरोप में वित्तीय अवसंरचना, विशेषज्ञता तथा निवेशक अनुकूल कर व्यवस्था की दृष्टि से यहां सर्वोत्कृष्ट व्यवस्था है। अपनी सामरिक स्थिति तथा कुशल जनशक्ति की उपलबधता की वजह से माल्टा भारतीय आईटी एवं वित्तीय सेवाओं के लिए उत्कृष्ट लोकेशन प्रदान करता है। आई-फ्लैक्स नामक एक भारतीय कंपनी ने माल्टा के सेंट्रल बैंक के प्रचालन को कंप्यूटरीकृत किया।

- आई सी टी : सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की ताकत को माल्टा स्वीकार करता है। माल्टा ने केरल में स्थापित की जा रही परियोजना की तरह ही 2009 में एक स्मार्ट शहर परियोजना शुरू की है। इन दो परियोजनाओं के बीच तालमेल हो सकता है। माल्टा ने क्लाउड कांसेप्ट का सुझाव दिया है जिसके माध्यम से भारत, यूरोपीय संघ तथा उत्तरी अफ्रीका को वर्चुअल आधार पर जोड़ा जा सकता है।

- पर्यटन : हालांकि माल्टा के लिए यूरोप पर्यटन का मनपसंद डेस्टिनेशन है। अधिकाधि संख्या में माल्टा के पर्यटक अन्य टूरिस्ट डेस्टिनेशन पर भी जा रहे हैं तथा माल्टा में पर्यटन के विकल्प के रूप में भारत को बढ़ावा देने तथा भारत में माल्टा को पर्यटन के विकल्प के रूप में बढ़ावा देने की संभावना मौजूद है।

- विनिर्माण : विनिर्माण क्षेत्र, विशेष रूप से फार्मास्यूटिकल क्षेत्र सहयोग के लिए एक संभावित क्षेत्र हो सकता है क्योंकि माल्टा के पेटेंट कानूनों में अन्य ईयू देशों की तुलना में लाभ का प्रावधान है। स्वास्थ्य देखरेख द्विपक्षीय सहयोग के लिए एक अन्य

उदीयमान क्षेत्र है। अरविंदो फार्मा नामक एक भारतीय कंपनी ने अप्रैल, 2009 में माल्टा में अपना प्लांट स्थापित किया है।

- शिक्षा : माल्टा में इस क्षेत्र के कुछ सबसे पुराने विश्वविद्यालय हैं जिसमें समुद्री क्षेत्र, राजनयिक अध्ययन, प्रबंधन शिक्षा आदि जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञ प्रशिक्षण संस्थान शामिल हैं। दोनों देशों के विश्वविद्यालय / संस्थान सहयोग पर विचार कर सकते हैं।

- पोत परिवहन : माल्टा में इस क्षेत्र की सर्वश्रेष्ठ नि:शुल्क बंदरगाह सुविधाओं तथा पोत परिवहन सेवाओं में से एक हैं। उत्तरी अफ्रीका एवं यूरोपीय संघ को भारतीय माल भेजने के लिए माल गोदाम बनाने के लिए माल्टा सामरिक दृष्टि से भूमध्य सागर क्षेत्र में स्थित है।

भारतीय समुदाय

हालांकि कुछ माल्टन - भारतीय यह मानते हैं कि माल्टा में उनकी जड़ें 1890 के दशक से ही हैं, भारतीय समुदाय की संख्या छोटी बनी हुई है तथा यह 400 से अधिक नहीं है उनमें से 110 के पास में मालटिस् राष्ट्रीयता है।। वे मुख्य रूप से टेक्सटाइल एवं खाद्य उद्योग के कारोबार में हैं। माल्टा में कुछ भारतीय छात्र पढ़ाई भी कर रहे हैं। माल्टा ने 2011 में और पुन: अगस्त, 2014 में लीबिया से भारतीय नागरिकों को निकालने के दौरान भरपूर सहयोग प्रदान किया है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास लीबिया एवं भारतीय उच्चायोग माल्टा की वेबसाइट :
http://indianembassylibya.in/

***

जनवरी, 2016